श्री दिगम्बर जैन महासमिति

श्री दिगम्बर जैन समाज की संसद

पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति का लक्ष्य - संगठित समाज

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन केन्द्रीय मन्त्री श्री भूपेन्द्र यादव जी के साथ श्री सम्मेदशिखर जी के बारे में चर्चा करते हुए

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों के वितरण हेतु पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की सदस्यता शुल्क का विवरण

श्रेणी (CATEGORY)	धनराशि (AMOUNT)	(अवधि PERIOD)
विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक	100000.00	आजीवन
शिरोमणि संरक्षक	51000.00	आजीवन
संरक्षक	11000.00	आजीवन
विशिष्ट सदस्य	5100.00	आजीवन
सहयोगी सदस्य	3100.00	आजीवन
सम्मानीय सदस्य	1100.00	आजीवन
साधारण सदस्य	500.00	(पाँच वर्ष हेतु)

आवश्यक सूचना

1. पत्रिका शुल्क सदस्यों के लिए 500/– रू वार्षिक देय होगा।
2. सदस्यता पहचान पत्र शुल्क अतिरिक्त 100/– रू देय होगा।
3. अधिक जानकारी एवं सदस्यता फार्म के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं।

धरणेन्द्र कुमार जैन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
70, कैलाश हिल्स, नई दिल्ली–110065
मो. 8826578600, 9999495706

सदस्यता शुल्क एवं सहयोग के लिए
बैंक खाते का विवरण

Bank Account Detail of	:	Shree Digamber Jain Mahasamiti
Account No	:	10170001973962
Branch	:	Bandhan Bank, Greater Kailash, Delhi-110048
IFSC Code	:	BDBL0001727

वर्ष 5 - अंक 8 जनवरी-फरवरी 2023

Title Code : DELBIL11586

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

सामाजिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय चेतना की संदेशवाहक एक मात्र मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ मणीन्द्र जैन
9810043108

राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष
श्रीमती शीला डोडिया

राष्ट्रीय संयोजक
डॉ. रिचा जैन
मो. 9822221951

राष्ट्रीय महामंत्री
प्रवीन कुमार जैन (लोनी)
मो. 9811227718, 9711227718

राष्ट्रीय महिला महामंत्री
संगीता कासलीवाल

प्रधान सम्पादक
धरणेन्द्र कुमार जैन
मो. 8826578600, 9999495706
ईमेल : dkjdhir@gmail.com

महिला सम्पादक
1. डॉ. ममता जैन, पूना, मो. 8668734864
2. निर्मल जैन पाण्डया, अजमेर, मो. 8619531143

संपादक (विदेश)
कुँवर पाल शाह U.S.A.

स्वत्वाधिकारी व प्रकाशक
डॉ मणीन्द्र जैन

मुख्य कार्यालय
Shree Digamber Jain Mahasamiti
70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com

मुद्रक : रचना सिंडिकेट
बी. एस. सागवान
मो. 8178438390
दिल्ली-110093

विषय सूची	पृष्ठ संख्या
1. सम्पादकीय ...	2
2. नव-वर्ष की हार्दिक शुभकामनायें...	4
3. धार्मिक कार्य के साथ सामाजिक कार्य...	5
4. PROFIT & lOSS	6
5. BALANCE SHEET	7
6. लाडो सम्मान के साथ ससुराल जाएगी...	8
7. कैदियों को अच्छे संस्कार दिए गए...	9
8. त्रिसला महिला ...	10
9. फाग उत्सव हर्षोल्लस से मनाया...	11
10. हर्षपूर्ण सूचना ...	13
11. संशोधित कार्यक्रम की रुप...	14
12. अहिंसा रत्न ...	15
13. कोटा संभाग ...	16

लेखक के विचारों से सम्पादक या इसकी प्रकाशन संस्था श्री दिगम्बर जैन महासमिति का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सम्पादकीय

जैन संस्कृति की प्राचीन धरोहर तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी

तीर्थ हमारी श्रद्धा एवं निष्ठा के सर्वोपरि मापदण्ड हैं। तीर्थ ही वे माध्यम हैं जिनके द्वारा हम अतीत के अध्यात्म में देख सकते हैं। चेतना की ऊर्जा सघनता और वायुमंडल में चेतना की जितनी तरंगे तीर्थ में मिलेंगी धरती के अन्य किसी भी स्थान पर संभावित नहीं है। संसार में ऐसा कोई धर्म नहीं है जिसने तीर्थ की सार्थकता को अस्वीकार किया हो, हर धर्म तीर्थ से जुड़ा है। सच तो यह है कि तीर्थ से ही जीवन मिलता है।

वास्तव में तीर्थ की माटी का तिलक हुआ है। तीर्थ स्थान पवित्रता, शान्ति और कल्याण के धाम माने गये हैं। जैनधर्म में तीर्थ का विशेष महत्व रहा है। जिन स्थानों पर तीर्थकरों के गर्भ, जन्म, तप केवलज्ञान और निर्वाण कल्याणकों में से कोई कल्याणक हुआ हो अथवा निर्ग्रन्थ वीतरागी तपस्वी मुनि को केवल ज्ञान का निर्वाण प्राप्त हुआ हो वह स्थान वीतरागी साधुओं के सत्सर्ग से पवित्र हो जाता है। उनका प्रभाव आंचित्य है, लौकिक है। तीर्थकंर प्रकृति की पुण्य वर्गणाएं इतनी तेजस्वी और बलवती होती हैं कि तीर्थकंर जब माता के गर्भ में आते हैं, उससे छः माह पूर्व की वे देवियों और इन्द्रों को तीर्थकंरों के चरणों का विनम्र सेवक बना देते हैं।

जैन धर्मनुरागी सदैव तीर्थ निर्माण एवं संरक्षण के प्रति सजग रहे हैं। उन्होंने समय–समय पर तीर्थ रक्षा के लिए सर्वस्व–न्योंछावर किया है। तीर्थस्थान को पवित्र बनाने में तीर्थकरों एवं मुनियों की साधना तप–त्याग एवं निर्वाण बाहुल्य रहा है तथा उनकी रचना से विशेष सहयोग रहा है। झारखंड प्रांत के गिरिडीह जिले में श्री सम्मेदशिखर पर गौरव भूमि है. जहाँ बीस तीर्थकंर तथा अनन्तानन्त मुनियों ने अन्तिम साधना के लिए पारसपर्वत को ही चुना। इसके पीछे एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है। हर तीर्थकंर ने अपनी चौतन्य विद्युत धारा से उस पर्वत को ऊर्जा प्रदान की है। एक तीर्थकंर ने अपनी समाधि लगाई उनके हजारों लाखों वर्षों के बाद एक और तीर्थकंर ने अपनी समाधि लगाई। उनके लाखों वर्षों बाद दूसरे तीर्थकंर मुनिं ने कर्मो का नाशकर वहां निर्वाण प्राप्त किया। इस प्रकार 20 तीर्थकंरों ने उस धनत्व शक्तियों को सचेतन करने का प्रयास किया। एक तीर्थकंर ने पुनः उसे अभिसिंचित कर दिया और अरबों–खरबों मुनियों के द्वारा लाखों वर्षों से वह स्थान जागृत और अभिसिंचित होता रहा।
चेतना की ज्योति वहां सदा अखण्ड बनी रही। यह कल्पना की जा सकती है कि सम्मेदशिखर कितना अद्‌भुत अनूठा जागृत पुण्यक्षेत्र है। तीर्थराज सम्मेद शिखर की 20 टोंको से 20 तीर्थकंरों के साथ 86 अरब 488 कोड़ा कोड़ी 1027 करोड 38 लाख 70 हजार 323 मुनियों ने कर्मों का नाश कर मोक्ष प्राप्त किया। इसलिए इसका काण–कण पूजनीय एवं वन्दनीय है। सम्मेद शिखर पर्वत के कण–कण में अनन्त विशुद्ध आत्माओं की पवित्रता व्याप्त है। अनन्त केवली भगवन्तों के पास औदारिक शरीर सम्बन्धी पुद्‌गल वर्णाओं का अस्तित्व आज भी शिखर जी के पर्वत को पवित्र कर रहा है। वे वर्गणायें आज भी भावों और कर्मो को टकराकर हमको परमात्मा बनने की प्रेरणा देती है। उनके रजः कणों में आध्यात्मिकता का दिगदर्शन होता है। एकात शान्त, सघन,

वनस्थली दृढ़ता एवं उत्साह प्रदान करती है। सनसनाती वायु भव्य आत्माओं को पुरुषार्थ का सन्देश देती है जिसके कण–कण में सिद्धत्व की आभा है, निर्वाण की ज्योति है। सर्वप्रथम शिखर पर्वत की भूमि तीर्थ अजितनाथ के चरणों से पवित्र हो गई। तीर्थकंर अजितनाथ केवलज्ञान प्राप्त कर 32 हजार वर्ष तक जन कल्याण का उपदेश देते हुए सम्मेद शिखर पर्वत पर पधारे। वहां एक माह तक तप साधना करते हुए चैत्र मास को शुक्ल पक्ष की पंचमी को एक हजार मुनियों के साथ मोक्ष प्राप्त कर लिया और सम्मेद शिखर पर सिद्धवर नाम कूट पर उन मोह रूपी शत्रु के विजेता ध्यान रूपी अग्नि में कर्मो को जलाने वाले तीर्थकंर अजितनाथ ने मुक्ति प्राप्त कर संसार के जन्म मरण से छुटकारा पा लिया। जिस स्थान पर निर्वाण होता है उस स्थान पर इन्द्रदेव पूजा को आते हैं तथा चरण चिन्ह स्थापित कर देते हैं।

ऐसे निर्वाण क्षेत्र के दर्शन करने से आत्मिक शान्ति लाभ तथा उस क्षेत्र की वन्दना के साथ उन महापुरुषों के आदर्श अनुपाषित होकर आत्म कल्याण की भावना बन जाती है। ऐसे तीर्थ की प्रथम वन्दना करने का सौभाग्य भरत चक्रवर्ती के पुत्र सागर चक्रवर्ती को हुआ। राजा सागर चक्रवर्ती ने अत्यधिक आदर सत्कार पूर्वक मुनिराजों आर्यिकाओं, श्रावक, श्राविकाओं के चत्विध संग के साथ प्रथम बार वन्दना करने को प्रस्थान किया। पहिले दिन तीन कोस की पदयात्रा की। उस समय पद यात्रा में चौरासी लाख शुभ लक्षणों वाले हाथी अठारह करोड़ शुभ लक्षण सम्पन्न एवं वायु के वर्ग समान दौड़ने वाले घोड़े तथा चौरासी लाख पद्धति सौनिकों की टुकड़िंया साथ में थीं। चक्रवर्तीों के साथ यात्रा करने वाली चक्री के सद्धावयों की रक्षा करने वाले विद्याधर भी साथ में चले। उस पद यात्राओं ध्वजाओं एवं नगाड़ों की संख्या एक करोड़ थी। मार्ग में बाजों की ध्वनि सभी को प्रसन्न करती हुई। वन्दना को चल रही थी। राजा ने भक्ति पूर्वक सम्मेद पर्वत को पूजकर सिद्धवर नामक कूट पर अजितनाथ तीर्थंकर के चरणों की स्थापना करके सारे पर्वत को तीन बार प्रदक्षिणा देकर जय जय के घोषों से गूंजता हुआ महोत्सव मनाया। देवताओं द्वारा भी महोत्सव मनाया गया। तथा भक्ति का प्रदर्शन किया

जिस स्थान से अजितनाथ का निर्वाण हुआ, उसी स्थान को सिद्धवरकूट नाम दिया। जहाँ सिद्ध परमात्मा बने और संसार के बंधन से मुक्त हुए। अजितनाथ के निर्वाण के बाद ही उस सिद्धवर कूट से एक अरब चौरासी करोड़ पैतालीस लाख मुनियों में तप व साधना करके मोक्ष को प्राप्त किया। आचार्यों ने आगम ग्रंथों में लिखा है कि इस 12 योजन 86 मील प्रमाण विस्तार वाले सिद्धक्षेत्र में भव्य आत्मायें कैसी भी हों अत्यंत पापी जीव भी इसमें रहता हो, जन्म लेता हो तो भी 48 जन्मों के बीच कर्मनाश कर बन्धन मुक्त हो जाता है।

श्री सम्मेद शिखर पर्वत की प्राचीनता की प्रमाणिकता तथा भ्रमों के निवारण करने के लिए आचार्य लोहाचार्य ने कहा है कि तीर्थंकर महावीर ने राजा श्रेणिक के प्रश्न उत्तर में गणधर गौतम के सम्मुख सम्मेद शिखर की महिमा का वृत्तान्त बताया। उसे ही अष्ट, नवम् दशम अंगधारी आचार्यों ने कहा है कि जिनके सद्धवाक्यों के अनुसार सत्कवि देवदन्त नामक कवि ने सम्मेद शिखर की महिमा का अपने काव्य में प्रगट किया है। यह तीर्थ अनादि निधन सदैव शाश्वत है। इसका अस्तित्व कभी भी नष्ट नहीं होगा और अनन्तकाल से है और अनन्तकाल तक रहेगा।

- धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

नव-वर्ष की हार्दिक शुभकामनायें

नये सूरज की नूतन किरणों से
आलोकित हो सबका जीवन,
चन्दन जीवन खुशबू सा।
महके सबका आंगन।।

डॉ मणीन्द्र जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष

शीला जैन डोडिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
महिला महासमिति

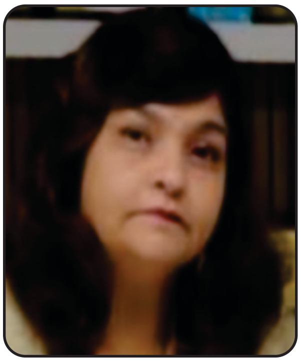

डॉ रिचा जैन
राष्ट्रीय संयोजक

प्रवीन कुमार जैन
(लोनी)
राष्ट्रीय महामंत्री

धरणेन्द्र कुमार जैन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

संगीता कासलीवाल
राष्ट्रीय महामंत्री
महिला महासमिति

डॉ वन्दना जैन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
महिला महासमिति

समस्त पदाधिकारी गण एवं सदस्य गण
श्री दिगंबर जैन महासमिति

धार्मिक कार्य के साथ सामाजिक कार्य भी करना चाहिए

- डॉ. मणीन्द्र जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष

धार्मिक कार्य के साथ सामाजिक कार्य करना चाहिए। यह प्रतिपादन **श्री दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन** नई दिल्ली ने श्री दिगंबर जैन महासमिति महाराष्ट्र प्रदेश द्वारा आयोजित महावीरनगर ग्रेट नाग रोड स्थित श्री सैतवाल जैन संगठन मंडल के सभागृह में किया।

समारोह में दीप प्रज्वलन श्री दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष अभयकुमार पनवेलकर, महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष नितिन नखाते, आनंदराव सवाने, श्री पार्श्वप्रभु दिगंबर जैन सैतवाल मंदिर के अध्यक्ष दिलीप शिवनकर ने किया। मंगलाचरण नीलम जैन, छाया जैन, चंद्रकांता कासलीवाल ने किया. महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नितिन नखाते ने प्रास्ताविक में कार्यों का ब्यौरा दिया। मंच संचालन प्रदेश महामंत्री दिलीप सावलकर ने किया. आभार प्रदर्शन अरविंद हनवंते ने किया।

डॉ. मणीन्द्र जैन ने मार्गदर्शन में आगे कहा कि समाज का कार्य करना है। व्यक्ति परिवार के बाद समाज का कार्य करता है। श्री सम्मेद शिखरजी का आंदोलन जैन समाज की एकता से सफल हुआ। लंदन में जैन सेंटर बनाया है, वहां दिगंबर जैन चैत्यालय बनेगा। वहां २१ से जायेगी। सभी समितियों में ८–८ लोगों की समिति बनेगी। शिक्षा क्षेत्र के लिए जीतों का सेन्टर नागपुर में खोलने का प्रयास करेंगे। समय परिवर्तन का आया है। बच्चों की शिक्षा के लिए दो करोड़ के फंण्ड का निर्माण करेंगे। कार्यक्रम में श्रीकान्त घोपाडे, अनिल चूड़ीवाले, संजय टक्कामोरे, सुनील फुरसुले, सुभाष उदापुरकर, अशोक मेढे, डॉ. नरेन्द्र भुसारी, डॉ. चंद्रनाथ भागवतकर, विशाल चानेकर, विजय उदापुरकर, प्रकाश उदापुरकर, प्रभाकर डाखोरे, दीपेंद्र जोहार पुरकर, देवेन्द्र आग्रेकर, राजेंद्र बंड, किशोर कहाते, दीपक पनवेलकर, किशोर मेढे, दिनेश जोहरा पुरकर, विनय जुननकर, प्रमोद रारवे, हुकुमचन्द चवरे, विलास शेडेंकर, मनीष शहाकार आदि उपस्थित थे। २५ अगस्त तक पंचकल्याणक होगा। १८–१६ मार्च को दो दिवसीय महासमिति का राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन श्री महावीरजी में किया गया है। महासमिति ने अहिंसा रथ मध्य प्रदेश से निकाला है। अभी राजस्थान में है। एक–दो में दिन में कर्नाटक पहुंचेगा। उसके बाद गोवा टक्कामोरे, बाद में महाराष्ट्र में आगमन होगा। आई आई एम अहमदाबाद के माध्यम से व्यापार करना सिखाया जाएगा। व्यापार कैसे करें, व्यापार कैसे बढ़ाएं यह पाठ्यक्रम फरवरी से शुरू होगा। दिव्यांग बच्चों को उनकी प्रतिभा को देखते हुए जर्मनी में खेलने के लिए भेजा जाएगा। महिलाओं की आयरन टेस्ट करने के लिए मशीन भेजी जायेगी और बाद में उन्हें दवाई दी जाएगी।

- धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

SHREE DIGAMBER JAIN MAHASAMITI
70, KAILASH HILLS
SECOND FLOOR
NEW DELHI
Balance Sheet
1-April-2022 to 31-Dec-2022

Liabilities		as at 31-Dec-2022	Assets		as at 31-Dec-2022
Loans (Liability)			**Capital Account**		**11,02,507**
Current Liabilities		**11,13,500**	*Capital Reserve*	*11,02,507*	
			Current Assets		**10,993**
President Loan Mr M K Jain	*11,13,500*		Cash-in-hand	1,394	
			Bank Accounts	9,599	
			Profit & Loss A/c		
			Opening Balance		
			Current Period	1,02,965	
			Less: Transferred	(1,02,965)	
Total		**11,13,500**	**Total**		**11,13,500**

(Dr. Manindra jain)
President

(Praveen Kumar Jain)
Gen. Secretary

(Dharnendra Kumar Jain)
Treasurer

SHREE DIGAMBER JAIN MAHASAMITI
70, KAILASH HILLS,SECOND FLOOR
NEW DELHI-110065
Profit & Loss A/c
1-April-2022 to 31-Dec-2022

Particulars	1-April-2022 to 31-Dec-2022		Particulars	1-April-2022 to 31-Dec-2022	
Indirect Expenses		**102965.00**	**Indirect Incomes**		**0.00**
TV Chenal Expenses			*Subs & Membership*	*0.00*	
Office & Printing Exp	*33143.00*				
Staff Salary	*67500.00*				
Postage & Courier	*2322.00*		***Nett Loss***		***102965.00***
Total		**102965.00**	**Total**		**102965.00**

(Dr. Manindra jain)
President

(Praveen Kumar Jain)
Gen. Secretary

(Dharnendra Kumar Jain)
Treasurer

विधवा महिला की लाडो सम्मान के साथ ससुराल जाएगी

श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर एवं श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर की सर्वोदय कॉलोनी इकाई के तत्वावधान में समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के निवास स्थान से रामसर (नसीराबाद) के पास रहने वाली एक ऐसी विधवा महिला की लाडो के विवाह में सहयोग किया गया युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा ने बताया कि जरूरतमंद विधवा महिला की पुत्री जिसका विवाह आगामी दिनों में होने जा रहा है की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उसने महासमिति अध्यक्ष अतुल पाटनी से संपर्क कर सहयोग की अपील की परिवार की आर्थिक स्थिति की जानकारी लेने के पश्चात समिति ने सहयोग करने का निर्णय लिया महामंत्री कमल गंगवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जरूरतमंद परिवार को आज समाजसेवी एवं समिति संरक्षक राकेश पालीवाल,मधु अतुल पाटनी एवं सर्वोदय कॉलोनी इकाई सदस्याओं के सहयोग से दुल्हन के दो बेस,पंद्रह साड़िंया, सलवार सूट,पायल,बिछिया आर्टिफिशियल ज्वेलरी,सेलो के इक्कावन प्रकार के आइटम,रसोई के कार्य में आने वाले सभी प्रकार के बर्तन,ब्लैंकेट,शाल,स्वेटर, कार्डीगन बेड शीट,चूड़ी सेट, सौंदर्य प्रसाधन सामग्री, परिवारजन के कपड़े,दूल्हे के लिए सूट कपड़े,चौकी,कुकर, ओवन,मिक्सी, गैस चूल्हा,घर की सजावट का सामान,घड़ी,बाल्टी, कोठी, चरण पादुका,जूते,मोजे सहित अन्य सामग्री भेंट की गई अध्यक्ष अतुल पाटनी ने बताया कि सामाजिक सरोकार के अंतर्गत पूर्व में भी इस प्रकार की 95 जरूरतमंद विधवा माताओं को सहयोग देकर राहत प्रदान कराई जा चुकी है इस अवसर पर सर्वोदय कॉलोनी अध्यक्ष मधु जैन,मंत्री गुणमाला गंगवाल,रेनू पाटनी,अनामिका सुरलाया,वर्षा बड़जात्या,सुषमा पाटनी,इंद्रा कासलीवाल आदि मोजूद रही।

-मधु जैन पाटनी, कार्याध्यक्ष अजमेर

जिला कारागर मुरादाबाद के कैदियों को अच्छे संस्कार दिए गए

आपको बताते हुए हर्ष हो रहा है कि आज श्री दिगंबर जैन महासमिति मुरादाबाद द्वारा जिला कारागार में 100 महिला कैदियों को सेनेटरी नैपकिन, बड़े बच्चों को कपड़े, फल ,नमकीन, बिस्कुट्स,खिलोने, बहुत छोटे बच्चों को डायपर, कपड़े आदि वितरित किए गए और अच्छी शिक्षा,अच्छे संस्कार के बारे में जानकारी दी और प्रतिज्ञा करवाई गई कि हमको अच्छा इंसान बनना है।बुरी आदतें छोड़नी है और सेनेटरी नेपकिन के बारे में जानकारी दी गई। इस प्रोजेक्ट में प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती शिखा जैन,मंडल अध्यक्ष श्रीमती ममता जैन, अध्यक्ष डॉक्टर अलंकृता जैन, महामंत्री श्रीमती आरती जैन, मंत्री श्रीमतीअलका जैन, कोषाध्यक्ष श्रीमती सीमा जैन ,सम्मानित सदस्य श्रीमती अंजू जैन श्रीमती विधि जैन श्रीमती पुष्पा जैन श्रीमती गौरी जैन श्रीमती शिवि जैन श्रीमती निशा जैन जी का विशेष सहयोग रहा।

- श्रीमती शिखा जैन, प्रांतीय अध्यक्ष
- श्रीमती ममता जैन मुरादाबाद, मंडल अध्यक्ष

त्रिसला महिला मंडल ने आचार्यश्री के अवतरण दिवस पर किया भक्तांमर पाठ आयोजित

संत शिरोमणी आचार्य विशुद्ध सागर महाराज का 51 वां अवतरण दिवस नगर में जैन समाज के द्वारा सात्विकता के साथ उत्साह पूर्वक मनाया गया। जैन मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर त्रिसला महिला मंडल की अध्यक्ष सिंघई, सचिन जैन मेडीकल के द्वारा निज निवास पर भक्तांबर पाठ का आयोजन किया गया। महिलाओं ने लय व ताल के साथ भक्तांबर पाठ करते हुए आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज को नमन किया। पाठ की समाप्ति पश्चात आरती व प्रसाद का वितरण किया गया। समापन पर त्रिसला महिला मंडल की अध्यक्ष सिंघई साक्षी सचिन जैन मेडीकल के द्वारा कार्यक्रम में शामिल होने पर महिलाओं का आभार माना गया। 18 दिसंबर रविवार को संत शिरोमणी आचार्य विशुद्ध सागर महाराज का 51 वां अवतरण दिवस नगर में जैन समाज के द्वारा फिता के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया। जैन मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिंसला महिला मंडल को अध्यक्ष सिंघई साक्षी सचिन व जैन मेडीकल के द्वारा निज निवास पर भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया। महिलाओं ने लय व ताल के साथ भक्तांमर पाठ करते हुए आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज को नमन किया। पाठ की समाप्ति पश्चात आरती व प्रसाद का वितरण किया गया। समापन पर जिला महिला मंडल को अध्यक्ष सिंघई साली सचिन जैन मेडीकल के द्वारा कार्यक्रम में शामिल होने पर महिलाओं का आभार माना गया।

फाग उत्सव हर्षोल्लस से मनाया

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा छोटे धड़ा जी की नसिया जी के सभागार में फाग उत्सव बहुत ही हर्षोल्लास से मनाया गया जिसमें समिति की विभिन्न इकाई की सदस्याओं की एक सौ सत्तर से अधिक सदस्याओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लेते हुए आकर्षक प्रस्तुतियां दी। महिला संभाग अध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में समिति पदाधिकारियों द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत करते हुए कमलेश पालीवाल, सुधा पालीवाल एवं नेहा पालीवाल के द्वारा भगवान महावीर स्वामी के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्जलित कराया गया। संस्थापक सूर्यकांता जैन द्वारा कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विनीता जैन लुहाड़िया एवं विशिष्ठ अतिथि नीलू पाटोदी का तिलक लगाकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया साथ ही अपना सारगर्भित उद्बोधन देकर समिति के द्वारा किए जा रहे धार्मिक कार्यों के साथ सामाजिक सरोकार के अंतर्गत किए जा रहे जीवदया के साथ जरूरतमंदो के लिए किए जा रहे कार्यों की प्रसंशा की ।युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा ने बताया कि कार्यक्रम में समिति की पाल बिछला इकाई, सर्वोदय कॉलोनी इकाई, वैशाली नगर इकाई, छतरी योजना इकाई, सरावगी मोहल्ला इकाई, सोनी नगर इकाई एवं केसरगंज इकाई की सदस्याओं द्वारा मन मोहक प्रस्तुतियां देते हुए कार्यक्रम को उचाईया प्रदान कराई। पुरस्कार प्रदाता अनीता बड़जात्या एवं नम्रता लुहाड़िया द्वारा सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित कराया गया। इस अवसर पर समिति सदस्याओं द्वारा समाजसेवी राकेश पालीवाल, श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर के अध्यक्ष अतुल पाटनी एवं व्यवस्थापक मंत्री मनीष पाटनी का सम्मान किया गया। मंच संचालन युवा महिला संभाग संस्थापक अर्चना गंगवाल ने किया।

-मधु पाटनी, अजमेर

मदुरई (तमिलनाडू) अहिंसा रथ के कार्यक्रम की झलकियां

पंजीयन संख्या 819 / 2016-17

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

70, कैलाश हिल्स, नई दिल्ली -110065
मोबाइल : 9999495706,9810043108 www.sdjms.org,
E-mail : sdjmsnational@gmail.com, info@sdjms.org

राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय अध्यक्षा	राष्ट्रीय संयोजक	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
डॉ. मणीन्द्र जैन	श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति **शीला जैन डोडिया**	**कमल जैन**	**प्रवीन कुमार जैन**	**धरणेन्द्र कुमार जैन**
G-60, ईस्ट आफ कैलाश नई दिल्ली-110065 मो. 9810043108	1851, चौबियों का चौक पी वालों का रास्ता, जौहरी बाजार जयपुर-302002 (राजस्थान) मो. 9314173436	प्रेम वाटिका: दीपक नगर पोस्ट- दुर्ग (छत्तीसगढ़) - 491001 मो. 09300683637	B-63, बलराम नगर लोनी गाजियाबाद-201102 (उ.प्र.) मो. 9811227718, 9711227718	70, कैलाश हिल्स नई दिल्ली-110065 मो. 8826578600
Email: manindrajain@hotmail.com	Email: dodya2001@gmail.com	Email: sanmatiresort@gmail.com	Email: praveenjain1958@rediffmail.com	Email: dkjdhir@gmail.com

क्रमांक D.J.M.S./231/2023 दिनांक 23.01.2023

हर्षपूर्ण सूचना

अंचल अध्यक्षगण एवं पदाधिकारीगण
आदरणीय महोदय/महोदया

जयजिनेन्द्र जयमहावीर!

अपार हर्ष के साथ सूचित किया जाता है कि श्री दिगम्बर जैन महासमिति का अधिवेशन दिनांक 18 एवं 19 मार्च, 2023 (शनिवार-रविवार) को अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी (राजस्थान) में आयोजित किया जा रहा है। महासमिति, अंचल, संभाग व इकाई के समस्त पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण इस अधिवेशन में आमंत्रित हैं।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के पदाधिकारीगण, सदस्यगण एवं अंचल अध्यक्षों से निवेदन है कि शीघ्र-अति शीघ्र पंजीकरण करना प्रारम्भ कर दें। पंजीकरण राशि प्रति सदस्य 500/- रु. है। पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि 28.02.2023 है। अधिवेशन में सम्मिलित होने वाले सदस्यगणों की सूची एवं प्राप्त धनराशि का विवरण राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन के WhatsApp No. 9810043108 एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री धरणेन्द्र कुमार जैन के WhatsApp No. 8826578600 पर प्रेषित करें।

कार्यक्रम का एजेंडा

1. महासमिति को सर्वश्रेष्ठ संस्था बनाने के लिए नई योजनाओं पर मंथन, चिंतन तथा कमेटियों का गठन।
2. श्री दिगम्बर जैन महासमिति के अधिक से अधिक सदस्य बनाये जाने की योजना।
3. कर्मठ कार्यकर्ताओं का सम्मान।
4. अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से।

संशोधित कार्यक्रम की रुप रेखा दिनांक 18.03.2023

1. प्रातः 9.00 बजे से 11.00 बजे तक सदस्यगण का आगमन, पंजीकरण एवं आवास का आवंटन तथा स्वल्पाहार (नाश्ता)।

2. प्रातः 10.15 बजे	-	झंडारोहण।
3. प्रातः 10.30 बजे	-	मंच सज्जा, चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन।
4. प्रातः 10.30 से 01.00 तक	-	उद्बोधन एवं अधिवेशनकी कार्यवाही।
5. दोपहर 01.00 बजे से 02.00 तक	-	दोपहर का भोजन।
6. 02.30 बजे से 05.30 बजे	-	आंगतुक पदाधिकारियों, अंचलों अध्यक्षों सदस्यगणों के विचार एवं सुझाव।
7. 05.30 बजे से	-	सायंकालीन भोजन।
8. 07.30 बजे से	-	विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम।

दिनांक 19.03.2023

1. प्रातः 08.00 बजे से 09.15 बजे तक	-	स्वल्पाहार (नाश्ता)।
2. प्रातः 09.15 बजे से 01.30 बजे तक	-	उद्बोधन कर्मठ कार्यकत्ताओं का सम्मान, प्रस्ताव, मीटिंग का निष्कर्ष विभिन्न्न योजनाओं के लिए कमेटियों का गठन।
3. दोपहर 01.30 बजे से	-	दोपहर का भोजन एवं कार्यक्रम का समापन

डॉ. मणीन्द्र जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष	शीला जैन डोडिया राष्ट्रीय अध्यक्षा(महिला महासमिति)	मंजू अजमेरा राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष	डॉ. रिचा जैन राष्ट्रीय संयोजक
प्रवीण कुमार जैन राष्ट्रीय महामंत्री	धरणेन्द्र कुमार जैन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	संगीता कासलीवाल राष्ट्रीय महामंत्री (महिला महासमिति)	वन्दना जैन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष (महिला महासमिति)

सदस्यता शुल्क एवं सहयोग के लिए बैंक खाते का विवरण

Bank Account Detail of	:	**Shree Digamber Jain Mahasamiti**
Account No.	:	**10170001973962**
IFSC Code	:	**BDBL0001727**
Bank Name & Branch	:	**Bandhan Bank Ltd. (Greater Kailash, New Delhi-110048)**

आयोजक :- श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवं महिला महासमिति

नोटः आवास तथा भोजन की उचित व्यवस्था श्री दिगम्बर जैन महासमित द्वारा की जाएगी।

अहिंसा रथ
AHINSA RATH
अहिंसा रत्न
आचार्यश्री 108
विद्यासागर जी महाराज
आचार्यश्री 108
सुनील सागर जी महाराज
परम सहयोगी सम्मान पत्र
डॉ. श्री मणींन्द्र जी जैन
श्री चारुकीर्थी भट्टारक
स्वामी मूडबिद्री जैन मठ
(जैन काशी)
श्री वीरेन्द्र जी हेगड़े
धर्मस्थल धर्माधिकारी सांसद
आपने अपने कार्यों से जैन समाज का गौरव और मान बढ़ाया है, समाज को संगठित और स्वावलंबी बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है, तीर्थों के विकास और गरीबों को आर्थिक मदद गुप्त रूप में प्रदान कर, अनेक महत्वपूर्ण महान कार्य किये हैं, कोरोना जैसा वैश्विक महामारी में प्रत्येक समाज के गरीबों की हर संभव मदद की है और आपने महावीर भगवन के सिद्धान्त जीओ और जीने दो के प्रचार–प्रसार हेतु अहिंसा रथ भ्रमण की जिम्मेदारी पूरे भारत की ली है। आपने देश में गौ हत्या बंद हो और भारत को भारत कहें का तहे दिल से समर्थन किया है, आपको अभूतपूर्व कार्यों के सम्मान स्वरूप अहिंसा चैनल परिवार आपको अहिंसा रत्न अवार्ड से विभूषित – सम्मानित करते हुए अपने को गौरवान्वित करता है और आपको अहिंसा चैनल का परम सहयोगी पद प्रदान करता है
जीओ और जीने दो

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति कोटा संभाग द्वारा मनाया गया गणतंत्र दिवस

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति संभाग कोटा द्वारा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या दोपहर 2 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम, परेड, उप देशभक्ति गीत, कविता, राष्ट्र गान, कुर्सी दौड़, रस्सी कूद आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये। अध्यक्ष मधु शाह ने बताया कि मुख्य अतिथि वार्ड पार्षद प्रतिभा गौतम एवं उर्मिला श्रीमाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। मंत्री किरण जैन, रजनी जैन ने बताया कि संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से 300 सदस्याएं जुड़ी हुई हैं। सभी की सहभागिता कार्यक्रम में बनी रहेगी।

अहिंसा रथ यात्रा कोचीन (केरल) के कार्यक्रम की झलकियां

कोचीन केरल में आदरणीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ,भगवान महावीर 2550 वीं निर्वाण महोत्सव समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन, तथा कोचीन सकल जैन समाज के पदाधिकारियों एवं समाज द्वारा अहिंसा रथ प्रवर्तन कार्यक्रम में भाग लेकर अहिंसा रथ को तमिलनाडु के लिए रवाना किया! इससे पूर्व वायनड, कालीकट आदि क्षेत्रों में अहिंसा रथ का भव्य स्वागत किया गया

-महेन्द्र जैन, अध्यक्ष कोचीन जैन समाज

पंजीकरण संख्या : S-33/29-11-2017 डाक पंजीकरण संख्या : DL(E)-20/5535/2018-20

कोचीन (केरल) के अहिंसा रथ यात्राके आदरणीय राज्यपाल के साथ कार्यक्रम की झलकियां

If undelivered please return to :

70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mob. :- 9810043108, 8826578600